द्रीना नदी का पुल

आवरण पर : युद्ध मे विध्वंस के बाद पुनर्निर्मित द्रीना नदी पर का पुल

सौजन्य : युगोस्लावी दूतावास, नयी दिल्ली

अस्तर पर छपे मूर्तिकला के प्रतिरूप में राजा शुद्धोदन के दरबार का वह दृश्य है, जिसमे तीन भविष्यवक्ता भगवान बुद्ध की माँ—रानी माया के स्वप्न की व्याख्या कर रहे है। उनके नीचे बैठा है मुंशी जो व्याख्या का दस्तावेज लिख रहा है। भारत मे लेखन-कला का यह संभवतः सबसे प्राचीन और चित्रलिखित अभिलेख है।

नागार्जुनकोण्डा, दूसरी सदी ई०

सौजन्य : राष्ट्रीय संग्रहालय, नयी दिल्ली

महान् युगोस्लावी उपन्यास

द्रीना नदी का पुल

(ना द्रीनी चुप्रिया)

लेखक

इवो आंद्रिच

अनुवादक

रघुवीर सहाय
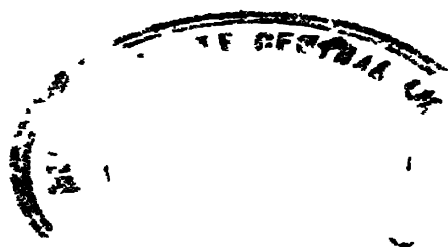
साहित्य अकादेमी

Drina Nadi Ka Pul : Hindi translation by Raghuvir Sahay of the Yugoslav writer Ivo Andric's Nobel prize winning novel in Serbo-Croat, *Na Drini Chupriya*. Sahitya Akademi, New Delhi,

साहित्य अकादेमी

प्रधान कार्यालय

रवीन्द्र भवन, 35, फ़ीरोजशाह मार्ग, नई दिल्ली 110001

क्षेत्रीय कार्यालय

ब्लाक V-बी, रवीन्द्र सरोवर स्टेडियम, कलकत्ता 700029
29, एलडाम्स रोड (द्वितीय मंज़िल), तेनामपेट, मद्रास 600018
172, मुम्बई मराठी ग्रन्थ संग्रहालय मार्ग, दादर, बम्बई 400014

मूल्य
पचास रुपये

मुद्रक
भारती प्रिण्टर्स
दिल्ली 110032